



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 177] नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 12, 1983/चैत्र 22, 1905
No. 177] NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 12, 1983/CHAITRA 22, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1983

का. आ. 291/18कक/आई.डी.आर.ए./83 :—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 267(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./78 तारीख 13 अप्रैल, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैसर्स श्री दुर्गा काटन स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल्स लिमिटेड, काना नगर, हजला हुगली, पश्चिमी बंगाल नायक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है), प्रबंध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-कक की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन 12 अप्रैल, 1983 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण कर लिया गया था और इण्डस्ट्रियल रिकंस्ट्रक्शन कारपोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड, कलकत्ता को उक्त औद्योगिक उपक्रम को प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था ;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकीहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, इण्डस्ट्रियल रिकंस्ट्रक्शन कारपोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड, कलकत्ता

के अधीन 12 अक्टूबर, 1983 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छह मास की और अवधि के लिए बना रहना चाहिए ।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उद्योग विकास और विनियमन अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 12 अक्टूबर, 1983 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए प्रभावी बना रहे ।

[का. सं. 3(3)/80-सी.यू.एस.]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 12th April, 1983

S.O. 291/18AA/IDRA/83.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 267(E)/18AA/IDRA/78, dated the 13th April, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the Industrial Undertaking known as Messrs Sri Durga Cotton Spinning and Weaving Mills Limited, Konnagar, District Hooghly, West Bengal, was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years upto and inclusive of the 12th April, 1983, and

the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta, was authorised to take over the management of the said industrial undertaking.

And, whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited Calcutta, for a further period of six months upto and inclusive of the 12th October, 1983;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 12th October, 1983.

[File No. 3(3)/80-CUS.]

का. आ. 292(अ)/18चख/आई. डी. आर. ए./88.—केन्द्रीय सरकार, ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 506(अ)/18चख/आई. डी. आर. ए./78, तारीख 18 अगस्त, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) उद्योग विकास और विनियमन, अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18चख की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश को जारी किए जाने की कि उक्त आदेश को जारी किए जाने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्रों, करारों, परिनिर्धारणों, पंचाटों, स्थायी आदेशों, या अन्य लिखतों का (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से सम्बन्धित है) जिनका रजिस्ट्रार श्री दुर्गा काटन स्पनिंग एण्ड वीविंग मिल्स लिमिटेड, काननगर, जिला हुगली, पश्चिमी बंगाल नामक औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम या कंपनी को लागू है, प्रवर्तन एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व उसके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत सभी अधिकार, विशेषाधिकार बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे;

और केन्द्रीय सरकार ने अपनी यह राय होने पर कि जन-साधारण के हित के लिए यह आवश्यक है कि उक्त आदेश, पूर्वोक्त एक वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्रभावी बना रहना चाहिए, 12 अप्रैल, 1983 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए इसके बने रहने की समय-समय पर घोषणा की थी।

[देखिए भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 455(अ)/18चख/आई. डी. आर. ए./79, तारीख 9-8-1979, का. आ. 628(अ)/18चख/आई. डी. आर. ए./80, तारीख 18-8-1980, का. आ. 651(अ)/18चख/आई. डी. आर.

ए./81, तारीख 14-8-1981 और का. आ. 600(अ)/18चख/आई. डी. आर. ए./82, तारीख 17 अगस्त, 1982];

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि को 12 अक्टूबर, 1983 तक की और अवधि के लिए बढ़ा दिया जाना चाहिए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग विकास और विनियमन अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18चख की उप-धारा (2) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि को 12 अक्टूबर, 1983 तक की और अवधि के लिए जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[फा. सं. 3(3)/80-सी. यू. एस.]

ए. पी. सरदान, संयुक्त सचिव

S.O. 292/18FB/IDRA/83.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 506(E)/18-B/IDRA/78, dated the 18th August, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18-B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said Industrial undertakings, known as Messrs Sri Durga Cotton Spinning and Weaving Mills Limited, Konnagar, District Hooghly, West Bengal is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and all rights, privileges, obligations and liabilities, accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And, whereas, the Central Government being of opinion that it is necessary in the interest of the general public that the said Order should continue to have effect after the expiry of the period of one year aforesaid, had declared from time to time, for such continuance, for a further period upto and inclusive of the 12th April, 1983 (vide Orders of the Government of India in the Ministry of Industry, Department of Industrial Development Nos. S.O. 455(E)/18FB/IDRA/79, dated the 9th August, 1979, S.O. 628(E)/18FB/IDRA/80, dated the 18th August, 1980, S.O. 651(E)/18FB/IDRA/81, dated the 14th August, 1981 and S.O. 600(E)/18FB/IDRA/82, dated the 17th August, 1982);

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 12th October, 1983;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order for a further period upto and inclusive of the 12th October, 1983.

[F. No. 3(3)/80-CUS.]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.